विद्यार्थियों ने मनाया विश्व रैड क्रॉस दिवस

सम्पूर्ण मानवता ले लिए समर्पण भाव से कार्य करने वाली संस्था रैड़ क्रॉस का संदेश विद्यार्थियों में प्रचारित करते हुए आज दिनांक 08 मई 2018 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के सभागार में विश्व रैड़ क्रॉस दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत के निर्देशन में किया गया। उन्होंने रैड़ क्रॉस के संस्थापक सर जीन हेनरी डयूनांट को आज उनके जन्मदिवस पर याद करते हुए बताया कि रैड़ क्रॉस एक विश्वव्यापी संस्थान है जो कि जन कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने यूवा रैड़ क्रॉस के सभी स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज यह संस्था पूरे विश्व में प्राकृतिक और अन्य आपदाओं में सहायता के साथ–साथ सामाजिक कार्यों में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। यूथ रैड़ क्रॉस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जयपाल सिंह ने बताया कि 8 मई 1828 को रैड़ क्रॉस के संस्थापक सर जीन हेनरी डयूनांट का जन्म हुआ था व 26 अक्टूबर 1863 को उन्होंने इसकी स्थापना की थी। भारत में इसकी स्थापना 1920 में हुई। स्वयंसेवक ज्योति शर्मा ने रैड़ क्रॉस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आरम्भ में इसका गठन युद्ध के समय चिकित्सकों, नर्सों व चिकित्सीय सामान की सहायता से युद्ध में घायलों की सेवा करने के लिए किया गया था परन्तु आज यह हर तरह के सामाजिक कार्य में सक्रिय है। इस कार्य के लिए लाल रंग का क्रॉस चिन्ह दिया गया था जो कि पूरे संसार में सुरक्षा व सहायता के चिन्ह के रुप का प्रतीक है। आज के कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. विनोद राठी और श्री लवकेश ने विशेष भूमिका

निभाई और सभी स्वयंसेवकों को मानवता के लिए वर्ष भर कार्य करने के लिए हौंसला अफज़ाई की। इस अवसर पर सभी स्वयंसेवकों ने रैड़ क्रॉस की शपथ ग्रहण की और प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। साथ–साथ रैड़ क्रॉस के स्वयंसेवकों को श्री रविन्द्र डुड़ेजा ने थैलासीमिया के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि थैलासीमिया स्वस्थ व्यक्ति को भी हो सकती है, इससे बचाव के लिए व्यक्ति को अपनी थैलीसीमीया जाँच करवा लेनी चाहिए ताकि भावी पीढ़ी को इसके दुषप्रभावों से बचाया जा सके। इस अवसर पर यूथ रैड़ क्रॉस के संयोजक डॉ. जयपाल सिंह, डॉ. विनोद राठी, श्री लवकेश, श्रीमती रितु, डॉ. गीता गुप्ता व सुश्री पूनम रोटेला उपस्थित रहे। अंत में श्री लवकेश ने उपस्थित सभी का धन्यवाद किया।